RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार, 12 अप्रैल 2023 वर्ष 04 अंक 305 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

हिंदू कार्ड खेलेगी शिंदे-फडणवीस सरकार

28 मई को सावरकर गौरव दिन मनाए जाने का ऐलान...

मुंबई : लोकसभा चुनाव के पहले महाराष्ट्र की शिंदे-फडणवीस सरकार ने हिंदू कार्ड खेलने का फैसला किया है। पिछले सप्ताह पूरे प्रदेश में सावरकर गौरव यात्रा के जरिए सैकड़ों सभाएं की गयी। अब वीर सावरकर का जन्म दिवस राज्य में स्वतंत्रता सेनानी गौरव दिन के रुप में मनाया जाएगा। इस तरह की घोषणा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की है। गौरव दिन के तहत 28 मई को सावरकर के विचारों को लोगों तक पहुंचने के लिए सरकार की तरफ से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। देश को आजादी दिलाने में वीर सावरकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सावरकर ने राष्ट्र के विकास ,अस्पृश्यता निर्मूलन, सामाजिक सुधार के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किया है। राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर वीर सावरकर के जन्मदिन को गौरव दिन के रुप में मनाए जाने की मांग की थी। सामंत ने यह भी कहा था कि वीर सावरकर आज भी महाराष्ट्र के आदर्श महापुरुष के रुप में आदरणीय हैं। जिस पर मुख्यमंत्री ने यह निर्णय लिया हैं।

राहुल गांधी ने की थी सावरकर पर टिप्पणी

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों वीर सावरकर पर टिप्पणी करते हुए उन्हें माफी वीर बताया था। जिसको लेकर बीजेपी-शिवसेना की तरफ से राज्य भर की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में सावरकर गौरव यात्रा निकाला गया। जिसके तहत हिंदुत्व का माहौल बनाने का प्रयास किया गया था।

आगामी चुनावों को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस का अहम फैसला

इन नेताओं की दी गई ये जिम्मेदारी...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की अध्यक्षता में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने भविष्य में होने वाले लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय चुनावों को लेकर एक समन्वय समिति का गठन किया है. इस समिति में 17 लोगों को शामिल किया गया है. पृथ्वीराज चव्हाण, अशोक चव्हाण और सुशील शिंदे जैसे पूर्व मुख्यमंत्रियों को इस समिति में शामिल किया गया है.

पिछले लोकसभा चुनाव में केवल एक सीट पर सिमट गई थी कांग्रेस

बात अगर महाराष्ट्र की करें तो महाराष्ट्र में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना (एमवीए) का गठबंधन है. महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं. 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य में बेहतर प्रदर्शन करना इन तीनों दलों के लिए बेहद अहम है. पिछले लोकसभा चुनाव में शिवसेना ने 18 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि बीजेपी के खाते में 23 गई थीं. वहीं एनसीपी के खाते में चार और कांग्रेस के खाते में एक सीट आई थी. बता दें कि पिछले दिनों प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुख नाना पटोले की कार्यशैली से नाराज होकर पार्टी के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट ने कांग्रेस विधायक दल के पद से इस्तीफा दे दिया था. इससे पहले नासिक डिवीजन स्नातक सीट के लि कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार सुधीर तांबे ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया था और अपने बेटे को निर्दलीय मैदान में उतारा था जिन्होंने जीत हासिल की थी.

चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कांग्रेस के लिए बेहद अहम...

बता दें कि महाराष्ट्र में अगले साल विधानसभा का चुनाव होना है, इसके अलावा देश में लोकसभा का चुनाव भी अगले साल ही होगा. केंद्र की सत्ता पर सबसे लंबे समय तक राज करने वाली कांग्रेस आज महज कुछ ही राज्यों में सिमटकर रह गई है. ऐसे में कांग्रेस के लिए इन दोनों ही चुनावों में बेहतर प्रदर्शन काफी महत्वपूर्ण हो जाता है.

सिडको में फर्जी कर्मचारियों के नाम पर इतने करोड़ का घोटाला, जांच के आदेश

नवी मुंबई : सिडको में फर्जी कर्मचारियों के नाम पर सिडको अधिकारियों द्वारा घोटाला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार, जिस अधिकारी ने यह घोटाला किया है वह सोमवार से लापता है। यह घोटाला चार करोड़ के आसपास का बताया जा रहा है, फर्जी कर्मचारियों के नाम पर यह घोटाला वर्ष 2017 से चल रहा था। इसमें फर्जी कर्मचारियों की नियुक्ति की गयी थी और उनके नाम के वेतन से अधिकारी मौज कर रहा था। गौरतलब है कि इससे पहले भी सिडको में कई घोटाले हुए हैं, लेकिन यह घोटाला अपने आप में एकदम अलग है क्योंकि इस प्रकरण में फर्जी रूप से कर्मचारियों की नियुक्ति की गयी थी और उनके नाम का वेतन

सिडको की तिजोरी से प्रतिमाह जा रहा था। जिन कर्मचारियों के नाम पर यह घोटाला किया जा रहा था उन कर्मचारियों को कागज पर कांट्रिक्ट कर्मचारी दिखाया गया था।

फर्जी वाडे में 14 कर्मचारियों की नियुक्ति दिखाई गयी थी

सिडको में कर्मचारियों की भर्ती के लिए एक प्रक्रिया अपनायी जाती है इस मामले में सभी तरह की प्रक्रियाओं को पूरा किया गया था, लेकिन वे सभी प्रक्रियाएं पूरी तरह से फर्जी थी। सिडको से मिली जानकारी के अनुसार, इस फर्जी वाडे में 14 कर्मचारियों की नियुक्ति दिखाई गयी थी और उनके नाम का वेतन बाकयदा बैंक खातों में ट्रांसफर भी हो रहा था, लेकिन लेखा विभाग को कभी भी इस बात का शक नहीं हुआ कि वह 14 फर्जी कर्मचारियों को वेतन दे रहा है जो वास्तव में हैं ही नहीं।

इस तरह से फूटा भांडा

सिडको में चल रहे इस घोटाले का पता उस समय चला जब चेतन नामक एक युवक ने सिडको के लेखा विभाग को सूचित किया कि वह सिडको का कर्मचारी नहीं है। बावजूद इसके उसके खाते में सिडको द्वारा वेतन भेजा जा रहा है। चेतन को इस बात का पता तब चला जब आयकर विभाग ने उसे नोटिस भेजा। चेतन का कहना है कि जिस बैंक में सिडको उसके नाम का वेतन जमा करवा रही थी, उस बैंक में उसने कभी खाता खोला ही नहीं था। चेतन की इस शिकायत पर लेखा विभाग ने जांच की और इस बारे में सिडको के प्रबंध निदेशक डॉ. संजय मुखर्जी को सूचित किया। इस घोटाले की जानकारी मिलने के बाद सिडको के प्रबंध निदेशक डॉ. संजय मुखर्जी ने जांच के आदेश दिए हैं।

कल्याण में पति-पत्नी के झगड़े को सुलझाने गए पुलिसकर्मियों की पिटाई

कल्याण : पति-पत्नी के बीच हो रहे झगड़े को सुलझाने गए कोलसेवाड़ी थाने के दो पुलिसकर्मियों की गुस्साए पति ने लात-घूसों से पिटाई करते हुए हाथ और सिर पर काट लिया। यह घटना कल्याण पूर्व के विजय नगर की एक सोसाइटी में हुई। कोलसेवाडी पुलिस ने हमलावर पति को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पीटे गए पुलिसकर्मियों के नाम नागेशनाथ घुगे और हवलदार सांगले हैं। इस मामले में आरक्षक नागेशनाथ घुगे ने फरियादी महिला के पति महेश माने के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया है। रविवार को करीब 12:30 बजे ठाणे पुलिस कंट्रोल रूम ने कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। कोलसेवाड़ी

पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत आने वाले विजयनगर इलाके में स्थित एक सोसाइटी में एक पति अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज कर मारपीट कर रहा है। जैसा कि महिला को मदद की जरूरत थी। वरिष्ठों ने कांस्टेबल घुगे और सांगले को तुरंत वहां जाने का निर्देश दिया, जब पुलिस शिकायतकर्ता के घर गई तो महेश माने उसकी पत्नी को अभद्र भाषा में गाली दे रहा था और उसकी पिटाई कर रहा था। घुगे और सांगले ने उसके पति महेश को समझाया और शांत रहने को कहा, लेकिन महेश ने पुलिस कर्मचारियों से कहा कि तुम मुझे बताने वाले कौन होते हो?

संपादकीय / लेख

सचिन पायलट का अनशन...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

कांग्रेस के नेता सचिन पायलट जयपुर में जिस तरह अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठे, उससे यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि वह इस नतीजे पर पहुंच गए हैं कि पार्टी नेतृत्व की ओर से उन्हें जो आश्वासन दिए गए थे, वे पूरे होने वाले नहीं हैं। उन्हें यह आश्वासन तब दिए गए थे, जब कुछ वर्ष पहले उन्होंने विद्रोही तेवर दिखाए थे। इसके बाद तब भी उन्हें आश्वासन दिए गए थे, जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की पहल की गई थी।

जब यह तय हो गया था कि अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे और सचिन पायलट राजस्थान के मुख्यमंत्री, तब गहलोत समर्थकों ने विद्रोही तेवर दिखाकर कांग्रेस नेतृत्व की योजना पर पानी फेर दिया। इन समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई करने के संकेत तो दिए गए, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व उन्हें नोटिस थमाने के अलावा और कुछ नहीं कर सका। जब अशोक गहलोत की जगह मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस अध्यक्ष बने तो यह माना गया था कि वह सबसे पहले राजस्थान का संकट सुलझाएंगे और सचिन पायलट को किसी तरह संतुष्ट करेंगे, लेकिन वह ऐसा करने में नाकाम रहे। सचिन पायलट को न तो उप मुख्यमंत्री बनाया गया और न ही प्रदेश अध्यक्ष। या तो अशोक गहलोत के आगे कांग्रेस नेतृत्व की चल नहीं पा रही है या फिर उसने यह मान लिया है कि सचिन पायलट को अभी और इंतजार करना चाहिए।

सचिन पायलट के तेवरों से यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह और अधिक प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। उनका अनशन उनकी कुंठा और हताशा को ही व्यक्त कर रहा है। हैरानी नहीं कि वह उसी राह पर चलने को विवश हो जाएं, जिस पर हिमंत विस्वा सरमा और ज्योतिरादित्य सिंधिया चले। जो भी हो, इससे इन्कार नहीं कि कांग्रेस नेतृत्व अपने असंतुष्ट नेताओं को संतुष्ट करने में बुरी तरह नाकाम है। वह अपने नेताओं के आपसी मननुटाव को दूर करने में केवल नाकाम ही नहीं रहता, बल्कि ऐसे फैसले भी करता है, जिससे कलह और बढ़ती है।

चूंकि ऐसे फैसले चाटुकार नेताओं के प्रभाव में लिए जाते हैं इसलिए वे पार्टी को कमजोर करने का ही काम करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पंजाब में कांग्रेस की लुटिया इसीलिए डूबी, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व ने एक के बाद एक गलत फैसले लिए। सचिन पायलट का असंतोष राजस्थान में कांग्रेस को और कमजोर करे तो हैरानी नहीं। उन्होंने एक ऐसे समय अनशन पर बैठकर विद्रोही तेवर दिखाए, जब विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही महीने शेष रह गए हैं। अब तो वह मुख्यमंत्री बनने से रहे। फिलहाल उनके पास बहुत अधिक विकल्प नहीं दिख रहे हैं। विकल्पहीनता की स्थिति उनका असंतोष और बढ़ा सकती है और वह कांग्रेस से छिटक भी सकते हैं। यदि ऐसा कुछ होता है तो इसके लिए कांग्रेस नेतृत्व ही जिम्मेदार होगा।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

शमशान घाट के लिए रास्ता नही

पालघर में नहर के बीच से निकालनी पड़ रही शव यात्रा...

पालघर : पालघर में शासन-प्रशासन भले ही विकास के तमाम दावे करे, लेकिन ग्रामीण इलाकों में आज भी बदहाली बरकरार है। विकास के तमाम दावों और इन्फ्रास्ट्रक्चर के सलोने सपनों के बीच दहिसरतर्फे मनोर ग्रामपंचायत के गुंदावे गांव के श्मशान घाट की एक छोटी नहर के ऊपर से जाने वाले मार्ग को सिंचाई विभाग ने खोद डाला है। जिससे लोगों को अंतिम संस्कार में जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। उनकी मांग है कि इस मार्ग को जल्द से जल्द ठीक किया जाए। वांद्री डैम से बाए ओर निकलने वाली एक छोटी नहर के उस पार श्मशान घाट स्थित है। गुंदावे गांव के ग्रामीण वहां अंतिम संस्कार करते है। नहर पर से जाने वाले मार्ग को खोदे जाने से श्मशान घाट जाने वाला मार्ग बाधित हो गया है। ग्रामीणों को शमशान घाट तक जाने के लिए पानी की धारा से होकर गुजरना पड़ता है। इससे ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। शव के दाह संस्कार के लिए लकड़ी सहित अन्य सामग्रियों को लोगों को नहर की दूसरी ओर स्थित श्मशान घाट ले जाना पड़ता है।

ग्रामीणों को शव को पानी के बीच से ले जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि श्मशान घाट तक जाने वाली सड़क का निर्माण किया जाए। ग्रामीणों ने कहा कि बरसात में समस्या और गंभीर हो जाती है।लोगों को पानी में से होकर श्मशान घाट तक पहुंचकर अंतिम संस्कार करना पड़ता है। क्योंकि वर्षो से जारी मांग के बाद भी न ही गांव में सड़क बनी न श्मशान जिससे यहां के ग्रामीण आजादी के अमृत काल मे भी यातनाओं भरा जीवन जीने को मजबूर है। बार-बार किचकिच होने के बाद भी यहां का प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। जनवरी माह में गुंडावे गांव से श्मशान घाट को जाने वाली सड़क को खोदा गया। जिससे अंतिम संस्कार में जाने के लिए ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। गांव में मृत व्यक्तियों के अंतिम संस्कार के लिए शवों को नहर के पानी से श्मशान तक ले जाना पड़ रहा है। अगर श्मशान घाट की ओर जाने वाली सड़क को ठीक नहीं किया गया तो शवों का अंतिम संस्कार सिंचाई विभाग के ढेकाले कार्यालय के सामने किया जाएगा।

रूपेश किनी, ग्राम पंचायत सदस्य

किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो इसलिए साफ सफाई के लिए नहर की पाइप निकाली गई थी। नहर के ऊपर जाने वाला रास्ता अस्थाई है। फिर भी लोगों की समस्याओं को देखते हुए जल्द ही पाइप डालकर उनकी समस्याओं का निदान किया जाएगा।

फ्लैट से आ रही थी भयंकर दुर्गंध

पुलिस बुलाकर खुलवाया दरवाजा तो नजारा देखकर खड़े हो गए रोंगटे..

पालघर : जिले के वसई इलाके में एक महिला की क्षत-विक्षत हालत में शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। फ्लैट के रूम को जांच के लिए पुलिस ने सील कर दिया है और शव के लिए पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। साथ ही पूछताछ के लिए महिला के पति की तलाश की जा रही है। इस मामले की जांच माणिकपुर पुलिस कर रही है। जानकारी के मुताबिक वसई इलाके की एक बिल्डिंग के फ्लैट से अजीब सी दुर्गंध आने की शिकायत मिली। सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंची तो दरवाजा खटखटाया पर अंदर से कोई जबाब नहीं आया। इसके बाद पुलिस टीम बाहर धक्का देते हुए दरवाजा तोड़ अंदर घुसी। वहां इतनी दुर्गंध आ रही थी कि सांस तक लेना भारी हो रहा था और बिस्तर पर एक महिला की लाश पड़ी हुई थी। मौत के काफी दिन बीत जाने के चलते बॉडी डिक्पोज होने लगी थी।

पुलिस ने बताया कि महिला का शव साड़ी से लिपटा हुआ था जिसका एक सिरा उसके गले तो दूसरा सिरा पंखे से बंधा हुआ था। महिला की पहचान मुमताज काजी (28) के रूप में हुई। मृतका के शव पर कोई बाहरी जख्म के निशान नहीं मिलने के आधार पर पुलिस इसे शुरूआती जांच में आत्महत्या मान रही है। हालांकि वास्तविक कारण पीएम रिपोर्ट से ही पता चल पाएगी।

मुंबई सेंट्रल -भुसावल हॉलीडे स्पेशल ट्रेन का स्टॉप बना दहानू रोड रेलवे स्टेशन, नागरिकों में खुशी की लहर

पालघर : मुंबई सेंट्रल-भुसावल हॉलिडे स्पेशल ट्रेन का शनिवार (८ तारीख) से दहानू रोड रेलवे स्टेशन पर ठहराव कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजेंद्र गावित, नगराध्यक्ष भरत सिंह राजपूत के प्रयास से दहानू रोड रेलवे स्टेशन पर स्टॉप दिया गया है। गाड़ी का शनिवार को दहानू के निवासियों ने पंचरती लहराकर जोरदार स्वागत किया। उसके बाद नगराध्यक्ष भरत सिंह राजपूत द्वारा हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया गया,मुंबई सेंट्रल-भुसावल हॉलिडे एक्सप्रेस ०९०५१- ०९०५२ मुंबई सेंट्रल से रात ११.४० बजे रवाना होकर रात्रि १.५४ बजे दहानू रोड रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। कार्यक्रम में नगरसेवक जगदीश राजपूत सहित कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

आईपीएल का सट्टा खेलते धरपकड़

चर्चित सटोरिया सेठी दिल्ली-मुंबई इंडियंस मैच की कर रहा था बुकिंग, क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

महाराष्ट्र : इंदौर क्राइम ब्रांच ने मंगलवार रात दिल्ली और मुंबई इंडियंस के बीच चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा लगाते बड़े बुकी को पकड़ा है। आरोपी का नाम शहर के साथ प्रदेश के बड़े सटोरियों में शामिल है। उसे पकड़ने के लिए मल्हारगंज इलाके में क्राइम ब्रांच ने दबिश दी थी। उछ्ठ निमिष अग्रवाल की टीम को जानकारी मिली थी कि मल्हारगंज इलाके में रहने वाला कुख्यात सट्टे के कारोबार में लिप्त वीरेन्द्र उर्फ गोलू सेठी आईपीएल मैच के दौरान बुकींग कर रहा है।

क्राइम ब्रांच के अफसरों ने मुखबिरों को सक्रिय किया। यहां टीम ने दबिश देकर सेठी को दबोच लिया। आरोपी के पास से पुलिस को 8 मोबाइल, 2 लैपटॉप, 1 टैबलेट और करोड़ों का हिसाब-किताब मिला है। सेठी मुंबई और महू के सटोरियों से सीधे संपर्क में था। अभी उसके रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

क्राइम ब्रांच की सीजन में दूसरी कारवाई

क्राइम ब्रांच की आईपीएल सीजन में दूसरी कार्रवाई है। करीब एक सप्ताह पहले एरोड्रम इलाके से चार नामी सटोरियों को पकड़ा गया था। आरोपियों के पास से मोबाइल, लैपटॉप और एलईडी के साथ लाखों का हिसाब-किताब मिला था। उन्होंने आष्टा में रहने वाले एक व्यक्ति का नाम पूछताछ में बताया था। जिससे वे मैच की बुकिंग करते थे। क्राइम ब्रांच ने जांच एरोड्रम पुलिस को सौंपी थी।

सीएम एकनाथ शिंदे का एलान, गोवा में चुनाव लड़ेगी शिवसेना

जल्द शुरू करेगी ये अभियान...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी गोवा में चुनाव लड़ेगी और जल्द ही इसके लिए एक जनसंपर्क अभियान शुरू करेगी. शिवसेना नेता आनंदराव अडसुल ने कहा कि बीजेपी के साथ गठबंधन कर महाराष्ट्र में सत्ता में मौजूद पार्टी को गोवा में चुनाव जीतने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है.

अडसुल ने उद्धव ठाकरे और संजय राउत पर साधा निशाना

शिवसेना के नेता अडसुल ने उद्धव ठाकरे और सांसद संजय राउत पर भी निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) राज्यसभा सांसद संजय राउत और अन्य जिन्हें अतीत में गोवा में पार्टी मामलों के प्रभारी नामित किया गया था, राज्य में उम्मीदवारों को चुनाव टिकट देते समय मौद्रिक विचारों से प्रभावित होते थे. राउत ने मंगलवार देर रात तक अडसुल के दावे पर उनकी टिप्पणी मांगने वाले संदेशों का जवाब नहीं दिया.

नेताओं ने दिखाई शिवसेना में शामिल होने की रुचि

खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि कई स्थानीय नेताओं ने शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल होने में रुचि दिखाई है, जिसे फरवरी में चुनाव आयोग द्वारा शिवसेना नाम और 'धनुष और तीर' चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया था.

क्या बोले पूर्व लोकसभा सदस्य अडसुल?

पूर्व लोकसभा सदस्य अडसुल ने कहा कि पूर्व में अविभाजित शिवसेना ने गोवा में चुनाव लड़ा था, लेकिन वह बिना दृढ़ विश्वास के लड़ी थी. उन्होंने कहा, ''शिवसेना गोवा में अगला चुनाव दृढ़ विश्वास के साथ लड़ेगी और एक नयी शुरूआत करेगी. गोवा के लोगों को आश्वस्त होना चाहिए कि यह पार्टी उनके लिए काम करने के लिए यहां है. हमें लोगों के मन-मस्तिष्क पर प्रभाव पैदा करने की जरूरत है.''

वसई -विरार में कभी भी गुल हो जाती है

बिजली विभाग की लापरवाही से नागरिकों को करना पड़ रहा है भारी दिक्कतों का समाना

वसई : वसई विरार शहर में बिजली की भारी कटौती की वजह से नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ विभाग लापरवाह बनी बैठी है। बता दे वसई विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र लगभग ३० लाख की आबादी वाला शहर है, और शहर में महावितरण कंपनी बिजली सप्लाई करता है। झोपड़पट्टी अधिक होने के कारण बिजली विभाग तार, ट्रांसफार्मा आदि की सही व्यवस्था नहीं कर पा रही है, जिस वजह से बिजली कटौती की अधिक समस्या आ रहा है। बता दे कि वसई विरार के नालासोपारा पूर्व क्षेत्र की बिजली सबसे अधिक कटौती की जाती है, और उसका हजार्ना भी नागरिकों को नहीं मिल रहा है। बता दे कि महावितरण कंपनी वसई विरार के नालासोपारा में कभी भी बिजली कटौती कर देता है, जिससे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे, बीमार नागरिकों आदि को एक बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जबकि बिजली कटौती होने के बाद विभाग अधिकारी और कर्मी बिजली ग्राहकों का फोन भी नहीं उठाते है, जिससे नागरिकों की समस्या और बढ़ जाता है। बिजली का बिल भरने में शहर के नागरिकों को देरी होता है तो विभाग तत्काल उनका मीटर काट ले जाता है, वही दूसरी तरफ बिजली की भारी कटौती किया जाता है तभी विभाग बिजली ग्राहकों को कोई भी हरजाना नहीं देती है जो नागरिकों के नजर में गलत माना जा रहा हैं। अब देखना यह है कि बिजली विभाग द्वारा नागरिकों के बीच की बिजली कटौती की समस्या को कब तक सुलझा पाती है, या फिर नागरिकों की समस्याओं को नजर अंदाज कर बैठी रहती है ?

पहली बार आयुर्वेदिक फॉर्मूले से रुकेगी कैंसर की रफ्तार...

मुंबई में जल्द शुरू होगा प्री क्लीनिकल ट्रायल

मुंबई : करीब एक दशक लंबी रिसर्च के बाद दुनिया में पहली बार पारंपरिक चिकित्सा के दम पर कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि रोकी जाएगी। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के अधीन जयपुर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद (एनआईए) के डॉक्टरों ने आयुर्वेद सिद्धांतों के जरिए वी2एस2 नामक दवा की खोज की है जिसे हाइड्रो एल्कोहलिक तत्वों से तैयार किया है। दवा को बाजार में आने से पहले क्लीनिकल ट्रायल से गुजरना होगा जिसकी शुरूआत मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल से होने जा रही है। इस प्री क्लीनिकल ट्रायल के बाद जम्मू में उसके आगे का परीक्षण किया जाएगा। एनआईए के कुलपति डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि प्री क्लीनिकल ट्रायल जल्द ही मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में शुरू होंगे। इसके बाद जयपुर और जम्मू कश्मीर में ट्रायल पूरा होगा।

पारंपरिक चिकित्सा और वैज्ञानिक तथ्यों को लेकर अक्सर सवाल खड़े होते हैं। टाटा मेमोरियल अस्पताल की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. ज्योति कोडे ने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इस अध्ययन के लिए मॉडल तैयार किया गया है। क्लीनिकल ट्रायल फेज पूरा करने में करीब दो से तीन वर्ष का समय लग सकता है लेकिन इस अवधि में उनके पास ठोस परिणाम होंगे और फिर यह उपचार पद्धति में शामिल हो सकती है। डॉ. संजीव शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद के कई अध्यायों में कैंसर कोशिकाओं की ग्रोथ रोकने का वर्णन मिलता है।

एमिल फार्मा करेगा उत्पादन व वितरण

ट्रायल के लिए एनआईए, टाटा मेमोरियल अस्पताल, जम्मू के आयुष विभाग और एमिल फार्मास्युटिकल के बीच करार हुआ है। ट्रायल पूरा होने के बाद दवा का उत्पादन व वितरण एमिल फार्मा करेगा, जिसमें करीब एक वर्ष का समय लग सकता है। इसके परिणामों का विश्लेषण करने के बाद आगे का अध्ययन एनआईए और जम्मू-कश्मीर का आयुष विभाग करेगा।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार, 12 अप्रैल 2023

'बीजेपी का मुस्लिम प्रेम पूतना मौसी वाला'

सामना में सियासी तंज, कहा- वोटों के लिए कव्वाली...

मुंबई : उद्धव ठाकरे की शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में बीजेपी को 'नवकव्वाल' बताते हुए निशाना साधा गया है. इस नाम के टाइटल के सहारे दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल बीजेपी के सूफियाना अंदाज पर तंज कसा गया है. संपादकीय में बीजेपी को ढोंगी, नौटंकीबाज और स्वार्थी का सर्टिफिकेट दिया गया है. इसके अलावा मुसलमानों के साथ बीजेपी के व्यवहार की भी आलोचना की गई है. इसमें लिखा गया कि बीजेपी का मुस्लिम प्रेम असली न होकर पूतना मौसी वाला ही है. सामना संपादकीय में लिखा गया है कि बीजेपी जैसी ढोंगी और नौटंकीबाज पार्टी हिंदुस्थान में दूसरी कोई भी नहीं होगी. राजनीतिक स्वार्थ के लिए ये लोग कब, क्या ढोंग रचाएंगे, इसका भरोसा नहीं है. एक तरफ हिंदुत्व के नाम पर मुस्लिम

समुदाय पर हमले करवाते हैं तो चुनाव आते ही उन्हीं मुसलमानों को चूम कर सेकुलरवाद का बुर्का पहन लेते हैं. अभी भी कहा जा रहा है कि बीजेपी लोग मुस्लिम मतदाताओं से 'सूफी संवाद' स्थापित करेंगे.

बीजेपी की है दोहरी भूमिका

हाल ही में संपन्न हुए रामनवमी और हनुमान जयंती के दिन देश के विभिन्न भागों में हुए दंगे इसी योजना का एक हिस्सा थे. हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति करने वाली बीजेपी का ये परंपरागत तंत्र है. चुनाव के मौके पर होने वाले हिंदू-मुस्लिम दंगे और बाद में होने वाले मतों के ध्रुवीकरण पर सेंकी गई सत्ता की रोटी बीजेपी का 'वास्तविक चेहरा' है. इसके अलावा फिर भी राजनीतिक जरूरत और अपरिहार्यता के रूप में बीच-बीच में वे इस पर मुस्लिम प्रेम का मुखौटा चढ़ाते रहते हैं. हाल की 'सूफी संवाद' मुहिम इसी तरह का एक मुखौटा है. उनका मुस्लिम प्रेम भी शुद्ध भावना न होकर उनके वोटों के लिए है.

मुस्लिम नेताओं को राज्यसभा में जगह से लेकर मुस्लिम समाज के लोगो को पद्म पुरस्कारों को सम्मानित करने के विषय पर. इसके अलावा आरएसएस सरसंघचालक के बयान से लेकर बीजेपी की दोहरी भूमिका पर संपादकीय में लिखा गया है. जम्मू-कश्मीर में 'पीडीपी' पार्टी के साथ सरकार स्थापित करना बीजेपी का राजनीतिक स्वार्थ था. एक तरफ उत्तर प्रदेश में नए मदरसों को सरकारी अनुदान नकारना, ढाई हजार मदरसों की मान्यता रद्द करना और दूसरी तरफ उसी उत्तर प्रदेश में 'सूफी संवाद' ड्रामे का प्रयोग करना, उत्तर प्रदेश के मदरसों में प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' की उर्दू प्रति बांटना. प्रधानमंत्री और इस्लाम के स्कॉलरों के बीच हुई चर्चा की भी उर्दू प्रतियां मदरसों

मुस्लिम वोटों के लिए है प्रेम

बीजेपी के मुस्लिम नेता, केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री विभिन्न दरगाहों पर जाएंगे और वहां कव्वाली सुनेंगे. पूरे देश में यह मुहिम चलाई जाएगी. ऐसे में बीजेपी के अल्पसंख्यक विभाग की ओर से 'सूफी संवाद महाअधिवेशन' के आयोजन की तैयारी चल रही है. साथ ही बताया कि सूफी दरगाहों पर जाने वाले मुसलमानों को कव्वाली के जरिए ऐसा कहा जाएगा कि मुसलमानों के संदर्भ में बीजेपी के मन में किसी तरह का द्वेष नहीं है. बीजेपी का यह मुस्लिम प्रेम असली न होकर पूतना मौसी वाला ही है. ऐसी आत्मीयता मुस्लिम समाज के प्रति नहीं, बल्कि मुस्लिम वोटों के लिए है.

लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी कर रही है ऐसा...

सामना संपादकीय में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बीजेपी की रणनीति पर कमेंट है. सामना संपादकीय में लिखा गया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अब केवल एक साल ही रह गया है, जिसकी वजह से बीजेपी को मुस्लिम प्रेम की हिचकी आने लगी है. यह हिचकी एक साल तक जारी रहेगी और चुनाव खत्म होते ही रुक जाएगी. एक तरफ हिंदू-मुस्लिम विवाद भड़काकर दंगे कराना और उस पर खुद की राजनीतिक रोटी सेंकना, यही इस टोली का 'हिंदुत्ववाद' है. साथ ही कहा कि अब तो इस विवाद में तथाकथित 'कथावाचकों' के भड़काऊ भाषण का तेल डालने और धार्मिक दंगों को जोरदार ढंग से भड़काने की योजना अमल में लाई जा रही है.

सतारा में तेज रफ़्तार कार ने मारी बाइक को जोरदार टक्कर, मौके पर गई एक की जान

महाराष्ट्रः महाराष्ट्र के सतारा में एक भयानक हादसा हुआ है। खटाव तालुका के पुसेसावली-कडेपुर मार्ग पर गोरेगांव वांगी में एक बाइक और कार की टक्कर हो गई। इस भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। मृतक की पहचान प्रकाश पांडुरंग वाघमोड़े के रूप में हुई है। प्रकाश की पत्नी छाया वाघमोड़े गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रकाश वाघमोड़े अपनी पत्नी के साथ कुपवाड़-मिराज की तरफ से अपनी बाइक से कडेपूर होते हुए सतारा जा रहे थे। गोरेगांव वांगी आने के दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने वाघमोड़े के बाइक को टक्कर मार दी। इसमें वाघमोड़े की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। यह दुर्घटना तालुका के पुसेसावली-कडेपूर मार्ग पर गोरेगांव वंगी में हुई। इस मामले में दादासो विष्णु घागरे ने देर रात औंध पुलिस स्टेशन में शिकायत दी।

महाराष्ट्र की राजनीति में भूकंप!

क्या फिर BJP के साथ जाएंगे अजित पवार?

वायरल हो रहे इस ट्वीट से मचा बवाल

मुंबई : महाराष्ट्र से मिल रही एक बड़ी खबर के अनुसार अब जल्द ही राज्य के राजनीतिक कायाकल्प होने वाला है। हालांकि इसकी वजह एक ट्वीट है राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने किया है। वहीं इस ट्वीट के जरिए उन्होंने एक तरह से इखढ का महाराष्ट्र में अगला प्लान बताया है । इसके साथ ही दमानिया के इस ट्वीट ने राज्य के राजनीतिक हलकों में हंगामा मचा दिया है। इसके साथ ही उनका ये ट्वीट वायरल हो रहा है।

दरअसल इस ट्वीट के अनुसार NCP नेता और राज्य के नेता विपक्ष अजीत पवार जल्द ही NCP छोड़कर इखढ में शामिल होंगे। दमानिया ने ट्वीट किया कि, आज काम के सिलसिले में मंत्रालय पहुंचा था। वहां एक शख्स ने मुझे रोका और एक दिलचस्प जानकारी दी। उनके मुताबिक टश्अ से 15 विधायक बाहर हो जाएंगे और अजित पवार भी BJP के साथ चले जाएंगे।।। बहुत जल्द। अंजलि दमानिया ने कहा कि, देखते हैं... गौरतलब है इससे पहले बीते हफ्ते अजित पवार अचानक ही अनरीचेबल हो गए थे।

वहीं मामले पर दमानिया ने साफ किया कि, वर्तमान में राज्य में गंदी राजनीति चल रही है। मैंने समाचार सूत्र जोड़कर अपनी भविष्यवाणी की थी। वहीं एक व्यक्ति ने मुझे बताया कि 16 विधायकों को निष्कासित कर दिया जाएगा। ऐसे में अब इखढ को बैकअप चाहिए। तो अजीत दादा ऐसे में उनकी मदद कर सकते हैं। इसलिए मैंने यह ट्वीट किया है।

गुल खिलाएगी चाचा-भतीजे की जोड़ी

गौरतलब है कि, एक ओर जहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी ठउढ के मुखिया ने गौतम अडाणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की कमेटी पर भरोसा जताते हुए संसदीय कमेटी की मांग को खारिज कर दिया था तो वहीं उनके भतीजे अजित पवार ने एश्ट के मुद्दे पर विपक्ष को आंख दिखाई। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में चाचा और भतीजे की जोड़ी एक बार फिर कोई नया राजनीतिक गुल खिला सकती है। तो वहीं बीते दिनों एक कार्यक्रम में उट शिंदे ने राष्ट्रीय विपक्ष को सलाह दी कि वह पवार पर ध्यान दें।

महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश के साथ जारी रहेगी ओलावृष्टि

मुंबई : महाराष्ट्र से मिल रही बड़ी खबर के अनुसार, यहां चल रही बेमौसम बारिश ने किसानों को परेशान कर रखा है। वहीं मौसम विभाग ने अब एक और चिंता बढ़ाने वाली जानकारी दी है। दरअसल मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार आगामी मंगलवार से अगले पांच दिनों तक राज्य में बेमौसम बारिश के साथ तो कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि भी होगी। वहीं IMDB के एक अनुमान के अनुसार, राज्य के कई हिस्से खराब मौसम की चपेट में हैं साथ ही यहां बेमौसम बारिश जारी, गर्मी के दिनों में 7 राज्यों में बूंदाबांदी होगी। जानकारी हो कि, नासिक के निफाड़ तालुक में बीते मंगलवार को भारी बेमौसम बारिश हुई। जिससे चंदोरी, सांईखेड़ा, शिंगवे, करंजगांव, चापड़गांव, म्हालसाकोर के गांव गोदकथा पर भयंकर बारिश है। वहीं इस बेमौसम बारिश से अंगूर, प्याज और गाजर की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। इसके साथ 12 ज्योतिलिंगों में से एक भीमाशंकर पर ओले गिरे हैं। मंदिर क्षेत्र से पहाड़ी की चोटी तक ओलावृष्टि और बारिश के कारण यहां ठंडी हवाएं भी चलने लगीं हैं। वहीं मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि इस बार बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और झारखंड सहित कई राज्यों में सामान्य या उससे अधिक भी बारिश हो सकती है।

अपनी करतूतों से बाज नही आ रही है MIDC की केमिकल कंपनियां व महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

पालघर : एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है कि तारापुर एमआईडीसी में रासायनिक कारखानों में उत्पादित अपशिष्ट जल सीधा समुद्र में छोड़ा जा रहा है. गहरे समुद्र में सात किमी के अंदर तक पाइप लाइन डालने के बजाय महज दो सौ फीट ही पाइप लाइन डाला गया है। सीआरजेड के नियमो धज्जियां उड़ाई जा रही है और ये मामला मत्स्य पालन के लिए भी जान का खतरा है। इस वेस्ट वाटर से पर्यावरण को नुकसान पहुंचने का डर है । पालघर जिले में तारापुर टक्कछ को सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। दो सौ से अधिक रासायनिक कारखाने हैं। इन फैक्ट्रियों के बहिस्राव को बिना किसी उपचार के सीधे तटीय खाड़ियों या गहरे समुद्र में बहा दिया जाता है। जिसको लेकर पर्यावरणविदों ने चिंता व्यक्त की है। कारखानों से निकलने वाला यह गंदा पानी सात किमी लंबी पाइप लाइन के जरिए गहरे समुद्र में छोड़ने का आदेश दिया गया था। लेकिन वास्तव में 200 फीट की दूरी पर ही पाइप लाइन डाला गया है । संभावनाएं यह भी हैं की इस तट के किनारे रहने वाले नागरिकों को भी प्रभावित करेगा। साथ ही बड़ी संख्या में मछलियां भी मरेंगी। महाराष्ट्र फिशरमैन एक्शन कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र तांडेल ने बताया कि प्रदूषण कारी कंपनियों की मनमानी से समुंदर की मछलियां मर रही है। खाड़ी खत्म हो रही है। जिससे लाखों मछुआरों की रोजी रोटी खत्म होने की कगार पर है। समस्याओं को दूर नही किया गया तो जल्द ही आंदोलन छेड़ेंगे। केंद्रीय पर्यावरण विभाग के अनुसार तारापुर एमआईडीसी से 7.1 किलोमीटर तक सीवेज छोड़ा जाना चाहिए और उसके अनुसार पाइप लाइन की व्यवस्था की जानी चाहिए। लेकिन हकीकत में जब स्थानीय मछुआरों ने गूगल के जरिए चेक किया तो पता चला कि पाइप लाइन केवल दो सौ फीट तक बिछाई गई थी। साथ मे यह भी मांग उठी है कि मामले की पूरी जांच कराई जाए,एमआईडीसी और महाराष्ट्र प्रदूषण बोर्ड इस गैरजिम्मेदाराना हरकत के लिए जिम्मेदार हैं जिनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए ।

अवैध हिरासत पर महाराष्ट्र पुलिस को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

कहा- पीड़ित महिला को मुआवजा दें अधिकारी

महाराष्ट्र : सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में एक महिला को अंतरिम संरक्षण दिए जाने के बावजूद उसे अवैध हिरासत में रखने के लिए पुलिस को कड़ी फटकार लगाई. इसके साथ ही अवैध हिरासत में रखने और इसके लिए आत्मसमर्पण करने के लिए पीड़िता को मुआवजा का निर्देश दिया. जस्टिस एसके कौल और ए अमानुल्लाह की पीठ ने पाया कि एक आपराधिक मामले में आरोपी महिला को 17 नवंबर, 2021 को अंतरिम सुरक्षा मिली थी और शीर्ष अदालत ने उसे आत्मसमर्पण करने और नियमित जमानत के लिए आवेदन करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया था.

महिला की अवैध हिरासत पर असंतोष व्यक्त करते हुए पीठ ने कहा कि अदालत ने याचिकाकर्ता को अंतरिम संरक्षण दिया था और इसके बावजूद उसे हिरासत में ले लिया गया. याचिकाकर्ता ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया था कि उसने पुलिस को अदालत का आदेश भी दिखाया था, हालांकि उसे अगली बार जमानत दे दी गई थी लेकिन वह एक दिन के लिए हिरासत में थी. शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता को एक दिन के लिए अवैध रूप से हिरासत में रखने के लिए 15,000 रुपये का मुआवजा दिया जाए, जिसे दो पुलिस अधिकारियों द्वारा साझा किया जाएगा और भुगतान दो सप्ताह की अवधि के भीतर किया जाएगा.

पीठ ने कहा कि दो पुलिस अधिकारियों ने बिना शर्त माफी मांगने के लिए अपना हलफनामा दायर किया. हालांकि पीठ ने कहा कि अधिकारियों का व्यवहार अदालत के आदेश के विपरीत था और पुलिस अधिकारियों को भविष्य में सावधान रहने की चेतावनी दी. शीर्ष अदालत ने महिला द्वारा दो पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर आदेश पारित किया. इस साल जनवरी में पारित पिछले आदेश में पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील की दलीलों का संज्ञान लिया था कि नवंबर 2021 के आदेश के बावजूद महिला को दो दिनों के भीतर एक अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया गया जहां वह नर्स के रूप में काम कर रही थी. पीठ ने कहा कि पुलिस अधिकारी इस मामले में महिला को अपनी जेब से मुआवजा देने को तैयार रहें. 2021 में, महिला ने मामले में अग्रिम जमानत के लिए उसकी याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए, अगस्त 2021 में पारित बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था.

फिर तो मुंबई जाना हो जाएगा एकदम आसान...

वसोर्वा- विरार सी लिंक को बढ़ाया जाएगा पालघर तक,जानिए MRDA की तैयारी

मुंबई : प्रस्तावित वसोर्वा से विरार सी लिंक को अब पालघर तक बढ़ाया जाएगा। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इस तरह की गतिविधियां शुरू की हैं। एमएमआरडीए ने मुख्यमंत्री के आदेश के बाद ऐसा फैसला लिया है और जल्द ही इस संबंध में रिपोर्ट तैयार करने का काम शुरू किया जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वसोर्वा-विरार सी ब्रिज परियोजना जो पहले राज्य सड़क विकास निगम के पास थी जो अब यह प्रोजेक्ट एमएमआरडीए को ट्रांसफर कर दिया गया है। एमएमआरडीए इस साल के अंत तक मुंबई में तीसरे सीलिंक पर काम शुरू करेगा ।

जानकारी सामने आ रही है कि प्रस्तावित समुद्री पुल परियोजना की शुरूआती लागत करीब 32 हजार करोड़ रुपए थी। अब यह खर्च बढ़कर करीब 40 हजार करोड़ रुपए हो गया है। पुल का काम शुरू करने से पहले एमएमआरडीए एमएसआरडीसी द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट की जांच करेगा। एमएमआरडीए ने इसके लिए टेंडर निकाला है,जिसके जरिए कंसल्टेंट नियुक्त किया जाएगा। मुंबई में वसोर्वा से पालघर तक बनने वाला यह तीसरा सी लिंक होगा। साथ ही सरकार इन तीनों समुद्री लिंक को जोड़ने की भी योजना बना रही है।

जानिए कैसा होगा वसोर्वा–पालघर रूट

वसोर्वा–पालघर रूट की कुल लंबाई 42.75 किमी होगी। इस मार्ग से चारकोप, मीरा–भायंदर, वसई, विरार नाम से चार संपर्क स्पॉट होंगे। इन चारों जगहों से एक समुद्री पुल जुड़ा होगा। यह मार्ग समुद्र के किनारे से एक किलोमीटर का होगा। अंधेरी पश्चिम से विरार इस मार्ग से जुड़ा होगा। गोराई, उत्तान, वसई और विरार में चार टोल प्लाजा होंगे। इस मार्ग से वसई तक 18.46 किमी की एक विशेष सड़क भी प्रस्तावित है।

रिश्ते हुए शर्मसार !

मामा बना हैवान, भांजी के साथ किया दुष्कर्म

महाराष्ट्र : मां से दुगना प्यार जो करते है वो हमारे मामा होते है। इसलिए उन्हें मामा कहा जाता है। मामा भांजी का रिश्ता बहुत खास होता है। मामा और भांजी का एक दोस्त की तरह रिश्ता होता है। लेकिन इस रिश्ते को शर्मसार करने वाली एक घटना महाराष्ट्र के बुलढाणा में हुई। इस झकझोर देने वाली घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है

मामा बना दरिंदा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब वह अपनी बहन के साथ रह रहा था, तब उसकी नजर अपनी भांजी पर पड़ी। अंत में उसने मौके का फायदा उठाया और उसके साथ दरिंदगी की। घर में किसी को न देखकर उसने जबरदस्ती करने की कोशिश की। उसे इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि एक नाबालिग भांजी है। उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। ऐसी हैवानियत

भरी घटना इस दरिंदे मामा ने की है।

भांजी से किया दुष्कर्म

मिली जानकारी के मुताबिक, यह दरिंदा मामा 40 साल का है जब वो अपनी बहन के पास रहने आया तो उसकी घिनौनी नजर10 साल की भांजी पर पड़ी । घर में कोई नहीं देख हत्यारे ने 10 साल की भांजी को उठा लिया और इस घटना को अंजाम दिया।

मामा गया जेल

दरिंदे ने नाबालिग बच्ची से किया दुष्कर्म। पीड़ित लड़की ने अपनी मां के घर आने के बाद उसे साथ हुई पूरी घटना की आपबीती सुनाई। पीड़िता की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

स्वस्थ मुह है सेहत का आधार

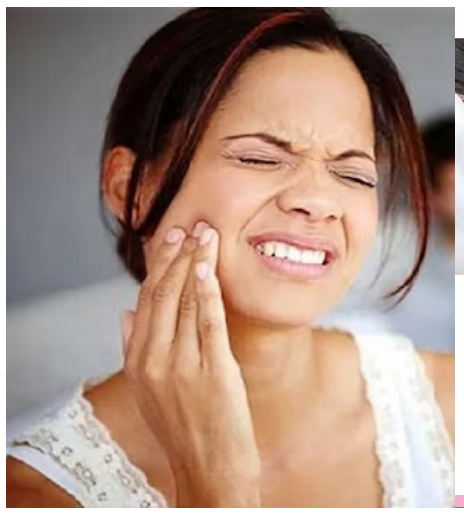

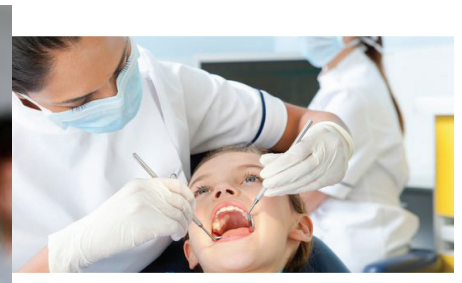

दंत विशेषज्ञ डॉ. सोनाली जैन से क्रिएटिव हेड आशुतोष गुप्ता से हुए विशेष बातचीत पर आधारित...

कम उम्र में ही दाँतों का कमजोर होना, दातों के प्रति लापरवाही बरतने की ओर ईशारा करता है। हम रोजाना ब्रश करते हैं फिर भी दातों में समस्यायें हो ही जाती हैं। जरा सी सावधानी बरतकर हम दाँतों की समस्यायें जैसे पायरिया, दाँत से खून आना और दाँत दर्द जैसी तकलीफों से छुटकारा पा सकते हैं। आईये जानते हैं कि कैसे हम अपनी दाँतों की देखभाल करके अपने मुह को स्वस्थ रख सकते है –

ब्रशिंग

अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग ऐसे ब्रश करते हैं जैसे वे ब्रश नहीं बल्कि दातों से लड़ाई कर रहे हों। गलत तरीके से ब्रश करने से दाँत जल्दी कमजोर हो जाते हैं। इससे सेंसिटीविटी यानी दातों में झनझनाहट जैसी समस्या आने लगती है। ब्रश के जोरदर घर्षण से दाँतों की परत कमजोर पड़ने लगती है और दाँतों में दर्द और उनमें से खून आने लगता है।

दाँत साफ करने का सही तरीका

दो दाँतों के बीच की जगह (इन्ट्राडेंटल स्पेस) की सफाई अत्यंत महत्वपूर्ण है जो केवल ब्रशिंग से नहीं हो सकती। रात में सोने से पहले ब्रशिंग और सही तकनीक से फ्लोसिंग करने से दाँतों में खाना नहीं फंसता। दाँतों में खाद्य पदार्थ फंसने से ही बैक्टिरिया पैदा होते हैं और दाँतों में सड़न उत्पन्न होती है। इससे बचने के लिए फ्लोस का धागा जो कि मेडिकल स्टोर्स पर आसानी से मिल जाता है, ध्यान रहे कि वैक्स कोट किया हुआ धागा ही इस्तेमाल करें, यह दाँतों के लिए सुरक्षित होता है। सही तरह से फ्लोसिंग करने की तकनीक सीखने के लिए किसी अच्छे दंत विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

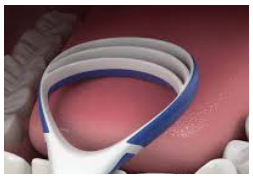

जीभ साफ रखना

जिस तरह हम दाँतों की सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं ठीक वैसे ही जीभ का भी ध्यान रखें। हम जो भी खाना खाते हैं उसका स्वाद हमें जीभ से ही महसूस होता है और जीभ के जरिये होकर ही खाना सीधा पेट में जाता है। यदि जीभ पर किटाणु होंगे तो वो पेट को भी बिमार कर देंगे। इसलिए यह जरूरी है कि किसी अच्छे टंग क्लिनर से जीभ की भी नियमित सफाई करें। आप जीभ को ब्रश के ब्रिस्टल्स से भी साफ कर सकते हैं। ध्यान रहे कि इस्तेमाल के बाद ब्रश को साफ-सुथरी जगह पर रखें और ब्रश को दाँतों पर लगाने से पहले गर्म पानी से अच्छी तरह धोकर साफ कर लें।

कैल्शियम और विटामिंस की जरूरत

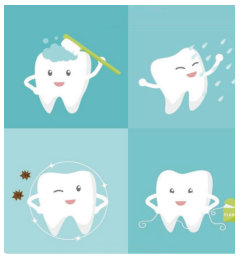

दाँतों की मजबूती के लिए शरीर में कैल्शियम की उचित मात्रा होना जरूरी है। इसके लिए शुबह-शाम दूध पीना चाहिए, इसके अलावा संतरे का रस, दही, पनीर, फूल गोभी और अन्य डेयरी प्रोडक्ट का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करें। चॉय-कॉफी का सेवन बहुत कम करें या हो सके तो बिल्कुल भी न करें। गुटखा और तंबाकू उत्पादों का सेवन हर्गिज न करें इससे दाँतों में सड़न और मसूड़े कमजोर हो जाते हैं इसलिए इनसे दूरी बनाये रखें। इसके साथ ही कम से कम ६ महिने में एक बार अपने फेमिली डेंटिस्ट से दाँतों का चेकअप जरूर करवाना चाहिए। सड़न, मसूड़ों की तकलीफ और पायरिया जैसी दाँतों की समस्यायें होने पर इसकी सही जाँच और शुरूआती लक्षण अनुसार चिकित्सा करने पर इससे छुटकारा पाया जा सकता है। आपके मोती जैसे दाँत ही आपकी सबसे बेशकीमती गहने हैं, इन्हें संजोकर रखना आपकी जिम्मेदारी है।

शादी के लिए ऑनलाइन पार्टनर ढूंढते समय भूलकर भी ना करें ये गलतियां

आजकल देश में मैट्रिमोनियल और डेटिंग साइट्स भरमार है। ऐसे में आपकी तरफ से की गई एक छोटी सी गलती आपको एक बड़ी परेशानी में डाल सकती है। अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि सोशल मीडिया पर पहले दोस्ती होती है फिर मिलना-झुलना और फिर प्यार और फिर धोखा। डाटा, प्राइवेसी से लेकर पैसे तक के कई मामले देखने और सुनने को मिलते हैं। यही वजह है कि विशेषज्ञ ऐसी साइट्स पर जाने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखने की सलाह देते हैं।

पर्सनल चीजें शेयर ना करें

ऑनलाइन पार्टनर ढूंढते समय किसी से भी जल्दी इम्प्रेस होकर अपनी पर्सनल चीजें जैसे घर का पता, फोन नंबर आदि बिल्कुल भी शेयर ना करें। ऐसा करने से आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

चैटिंग को गंभीरता से ना लें

ऑनलाइन डेटिंग में मिले रिश्ते को ज्यादा गंभीरता से ना लें। इस बात को आप भी जानते हैं यह आपकी असली दुनिया नहीं है।

अकेले मिलने ना जाएं

ऑनलाइन मिले किसी भी व्यक्ति से कभी भी अकेले मिलने की गलती ना करें। जब भी मिलें सार्वजनिक जगहों पर ही मिलें। पहली मुलाकात में अच्छा होगा कि आप अपने किसी मित्र या अन्य विश्वसनीय व्यक्ति को साथ ले जाएं।

गलती से भी फोटो शेयर ना करें

लड़कियां अपनी तारीफ सुनने के लिए लड़कों को अपनी हॉट और सेक्सी फोटो भेज देती हैं। ऐसा करने से बचें क्योंकि बाद में कोई भी व्यक्ति आपकी इन फोटोज का दुरुपयोग कर सकता है।

सोच समझकर करें चुनाव

कई ऐसे लोग हैं जो शादी के बहाने लड़कियों को अपने जाल में फंसाते हैं। अपनी जिंदगी का इतना बड़ा फैसला लेने से पहले अच्छे से जांच परख लेने के बाद अपने परिजनों की राय अवश्य लें।

धोखे से बचे

प्रोफाइल पिक्चर ही सब कुछ नहीं होती। कई बार लोग फोटो व प्रोफेशन की गलत जानकारी देकर रिक्वेस्ट भेजते हैं।सही जानकारी चेक करने के लिए प्रोफाइल को अपने माध्यम से भी चेक करें।सामने वाला अपनी कोई मजबूरी बताकर आपसे पैसे ऐंठ सकता है।सतर्क रहें।

बैंक अकाउंट की डिटेल्स शेयर न करें

बैंक अकाउंट या क्रेडिट कार्ड डिटेल्स जैसी जानकारियां कभी भी दूसरे को न दें।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार, 12 अप्रैल 2023

निकाय चुनाव को लेकर रिटर्निंग ऑफीसर नियुक्त

ललितपुर। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) आलोक सिंह ने अवगत कराया है कि नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 में निकायों के पदों, वार्डों के लिए निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी के नियुक्त आदेश संख्या 1551 तारीख 6 अप्रैल 2023 में अपरिहार्य कारणों से आंशिक संशोधन करते हुये तत्काल प्रभाव से अधिकारियों को नियुक्त किया है। नियुक्त किये गये अधिकारियों में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद के लिए उप जिलाधिकारी ललितपुर के स्थान पर अब उपायुक्त एनआरएलएम नीरज श्रीवास्तव, अध्यक्ष नगर पंचायत तालबेहट अध्यक्ष पद के लिए उप जिलाधिकारी तालबेहट के स्थान पर अब जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश कुमार सिंह, नगर पंचायत महरौनी अध्यक्ष पद के लिए उप जिलाधिकारी महरौनी के स्थान पर अब जिला विद्यालय निरीक्षक जी.एस.राजपूत, नगर पंचायत पाली उप जिलाधिकारी पाली के स्थान पर अधिशाषी अभियंता राजघाट निर्माण खण्ड इंजी.मनमोहन सिंह शामिल रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि नगर निकायों के लिए नियुक्त किये गये रिटर्निंग ऑफीसरों को निर्देशित किया गया है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों के क्रम में नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 में नामाकंन से मतगणना की समाप्ति तक आवंटित निकायों, वार्डों से सम्बन्धित समस्त कार्यों को ससमय सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

फायर स्टेशन में वृक्ष की नीलामी कल

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि फायर स्टेशन ललितपुर परिसर में आवासीय भवनों के निर्माण कार्य में बाधक बना पूर्व से लगा हुआ पीपल का वृक्ष काटा जाना अनिवार्य है। इस वृक्ष की सार्वजनिक नीलामी 10 अप्रैल 2023 को सुबह 11 बजे नियत की गई थी, अपरिहार्य कारणों से उक्त नीलामी की तिथि को स्थगित करते हुए अब यह नीलामी 13 अप्रैल 2023 को 12 बजे की जाएगी। इच्छुक लकड़ी ठेकेदार किसी भी कार्य दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महावीर स्वामी जयन्ती मनायी

ललितपुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय कुमरौल में महावीर स्वामी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए समस्त अध्यापक अध्यापकों ने हर्षोल्लास के साथ स्वामी जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और पुष्प वर्षा की। स्कूल के प्रधानाध्यापक स्वदेश भूषण ने महावीर स्वामी के जीवनी पर विस्तृत प्रकाश डाला और उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। अंत में समस्त बच्चों को मिष्ठान वितरण किया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यापक अरविंद दिवाकर, रानी कठेरिया, गीता पटेल, पम्मी, शीला रानी, अनंतराम, सुषमा निरंजन, मौजूद रहे। अंत में स्कूल के प्रधानाध्यापक स्वदेश भूषण ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के ग्राम बख्तर निवासी राजा सिंह पुत्र नारायन सिंह निरंजन ने एक शिकायती पत्र जिलाधिकारी को भेजा है। पत्र में उन्होंने जमीन पर गांव के दबंगों द्वारा जबरन अवैध कब्जा किये जाने का आरोप लगाते हुये कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है। शिकायती पत्र में पीड़ित ने बताया कि बख्तर गांव में उसकी जमीन है, जिसका रकवा 4.00 एकड़ है। बताया कि उक्त जमीन पर गांव के कुछ लोग जबरन कब्जा कर रहे हैं। बताया कि विगत 7 अप्रैल को अवैध कब्जा कर तार मुण्डी लगा ली। 11 अप्रैल को जब विरोध करते हुये उससे तार बाड़ी हटाने को कहा तो उक्त लोग एकराय होकर जान से मारने पर आमादा हो गये। पीड़ित ने जिलाधिकारी से मामले की जांच करायी जाकर कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है।

इनको मिलता है चंदा, और खदान से चलता है इनका धंधा... पैरवी के ठेकेदार, लुट रहे स्थानीय बेरोजगार

अमलाई। एक नहीं लगभग दर्जन भर ऐसी शिकायत है जो इस बात को प्रमाणित करनें के लिये काफी है कि शहडोल जिले को आर्थिक रुप से सुदृढ़ करनें वाली और देश प्रदेश में अपनें कोयला उत्पादन से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करनें वाली कोयला कंपनी के सोहागपुर क्षेत्र अंर्तगत अमलाई ओसीएम में बीते लंबे अंतराल से जो तानाशाही व्यवस्था चल रही है उसपर जन प्रतिनिधि जहां आंख मूंदे हुये हैं वहीं कंपनी के कर्ताधर्ता खुलेतौर पर मजदूरों व स्थानीय कर्मचारियों के शोषण में कोई कमी नहीं छोड़ रहे। बेरोजगारी का दंश झेल रहे सैकड़ों ऐसे पढ़े लिखे युवा है जो मजबूरन इन कंपनी में तमाम विरोधी नीतियों के खिलाफ भी काम करनें को मजबूर है लेकिन हालात तब और भी गैरजिम्मेदाराना हो जाते हैं जब स्थानीय स्तर पर लोगों के हितैषी बननें का नाटक करनें वाले कुछ चाटुकार ही इस कंपनी के विरुद्ध आवाज उठानें की जगह उनकी पैरवी में उतर जाते हैं?। हालांकि यह पैरवी मुफ्त नहीं हो सकती बकायदे इसकी सुविधा शुल्क निर्धारित है ऐसी चर्चा आम से लेकर खास तक की जुंबा पर है।

अब चलिये जानिये शिकायतों की उस लंबी फेहरिस्त को जो कंपनी की पोल खोलनें के लिये काफी है ....

(1) स्थानीय स्तर पर भर्ती को लेकर सैकड़ों बेरोजगार युवकों नें कंपनी के विरुद्ध महाप्रबंधक कार्यालय सोहागपुर का घेराव किया था।
(2) स्थानीय कर्मचारियों को रोजगार के नाम पर शोषण करनें के विरोध में स्थानीय स्तर के भाजपा नेताओं नें उच्च अधिकारियों तक शिकायत की साथ ही आंदोलन की चेतावनी भी दी थी।
(3) सांसद शहडोल द्वारा महाप्रबंधक शहडोल को इस कंपनी की मनमानी की शिकायत पर कार्यवाही करनें हेतु पत्र जारी किया जा चुका है।
(4) क्षेत्र के अर्धकुशल व कुशल कर्मचारियों को कंपनी में कार्य हेतु किसी भी तरह की तवज्जो नहीं दी गई।
(5) कंपनी द्वारा श्रमिक नियमों का पालन नहीं किया जाता।
(6) राधा चेन्नै नामक कंपनी द्वारा जब तक कार्यरत कर्मचारियों को एचपीसी दर पर पेमेंट, पहचान पत्र, सुरक्षा उपकरणों जैसी कई सुविधाओं से वंचित रखा गया है।
(7) माइंस में कार्य करते ही प्री मेडिकल टेस्ट करवाना अनिवार्य होता है जिसे कोल माइंस की भाषा में पीएमई कहते हैं,यह इसलिए करवाया जाता है कि ताकि खदान परिसर में कार्य करने वाला कर्मचारी के स्वास्थ की स्थिति क्या है,पर चेन्नई राधे कम्पनी द्वारा इसमें भी लापरवाही की गई है और एक साल तीन माह कार्य करने के बाद भी लगभग 30 कर्मचारियों को पीएमई नही कराया गया है जो की माइंस में मौत का सौदा कर रह है।

लापता बी फार्म, कैसे होगी कर्मचारी की पहचान

तमाम खामियों के बीच चेन्नै राधा कंपनी की एक बड़ी लापरवाही इनके द्वारा स्थानीय स्तर पर रखे गये कर्मचारियों के बी फार्म को लेकर भी सामनें आई है।अहम पहलू है कि किसी कंपनी में कार्यरत कर्मचारी का तमाम लेखा जोखा कंपनी द्वारा दर्ज बी फार्म में होता है।जिससे न सिर्फ कंपनी में कार्यरत कर्मचारी अपनें अधिकारों को जानता है बल्कि कंपनी द्वारा किसी भी तरह का छलावा या आपातकालीन स्थिति, घटना,दुर्घटना में उसे या उसके परिजनों को समुचित अधिकार उपलब्ध हो पाते हैं।लेकिन इसे लापरवाही कहे या विडंबना माना जाये कि कंपनी का इससे कोई वास्ता नहीं है।कंपनी में स्थानीय स्तर के पचास से ज्यादा ऐसे युवा है जो जान जोखिम में डालकर कंपनी के लिये कोयला उत्खनन का कार्य कर रहे हैं लेकिन उनका बी फार्म ही नहीं भरा गया, ऐसे में यदि इन कर्मचारियों के साथ कोई घटना दुर्घटना होती है तो कंपनी जहां उसे बाहर का कर्मचारी बताकर अपना पल्लू झाड़ लेगा वहीं प्रबंधन भी दस्तावेजों के आभाव में कोई कार्यवाही नहीं कर सकेगा, वहीं सवाल यह भी है सेफ्टी बोर्ड से लेकर लेबर कमिश्नर कार्यालय तक , श्रमिक संगठनों की भरमार होनें के बाद भी श्रमिक शोषित है और जिम्मेदार महज खानापूर्ति करते नजर आ रहे हैं।
गौरतलब है कि ऐसी तमाम खामियां होनें के बाद भी कंपनी के कर्ताधर्ता एक तरफ जहां अपनी मनमानी पर उतारु है वहीं दूसरी तरफ क्षेत्र का बेरोजगार युवा अब तक ठगा महसूस कर रहा है।वहीं चाटुकार इस कंपनी के विरुद्ध आवाज उठानें वालों पर मिथ्या आरोप लगातर पैरवी करते नजर आते हैं?।
जानकार बताते हैं कि बीते लंबे समय से स्थानीय बेरोजगारों में इस कंपनी के विरुद्ध जमकर आक्रोश है, वहीं सत्ताधारी दल के नेता भी इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर सके, आनें वाले दिनों में विधानसभा चुनाव है जिसकी तैयारियों में दोनों प्रमुख दल अभी से जुट चुके हैं?।लेकिन स्थानीय युवाओं में इस कंपनी को लेकर विरोध है जिसका सीधा असर जैतपुर विधानसभा के चुनाव नतीजों पर भी पड़ सकता है।

श्री समवशरण महामंडल विधान का समापन

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के शिष्यों के सानिध्य में निकली भव्य शोभायात्रा भोपाल अहिंसा विहार जैन मंदिर अयोध्या बायपास मैं पांच दिवसीय श्री समवशरण महा मंडल विधान का समापन हुआ 24 तीर्थंकर भगवान का अभिषेक जगत कल्याण की भावना के साथ मन्त्रोंचरित शांति धारा हुई विशेष पूजा अर्चना के साथ अनुष्ठान हुए प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया मुनि संघ के सानिध्य में पाठ शाला निर्माण का शिलान्यास हुआ आचार्य श्री विद्यासागर महा राज के शिष्य मुनि श्री अजीत सागर महाराज एलक दयासागर महाराज एलक विवेकानंद सागर महाराज के सानिध्य में गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली शोभायात्रा में केसरिया ध्वज लहराते हुए विश्व शांति और बंधुत्व का संदेश दे रही थी अहिंसा विहार पाठशाला परिवार का दिव्या घोष जय जय गुरुदेव के जयकारों के साथ जय जिनेंद्र देव की जय अरिहंत देव की संगीतमय स्वर लहरिया के साथ प्रस्तुति दे रहा था अहिंसा विहार महिला मंडल बालिका मंडल की सदस्य केसरिया केसरिया आज हमारो रंग भयों केसरिया, रंगमा रंगमा रंग गयो रे प्रभु जिनेंद्र की भक्ति में रंग गयो रे, संगीत में स्वर लहरियों के साथ भक्ति नृत्य कर रही थी विभिन्न मार्गों से होती हुई शोभा यात्रा अहिंसा विहार जैन मंदिर परिसर पहुंची मुनि श्री अजित सागर महाराज ने आशीर्वचन में ने कहा मन और इंद्रियों के पूर्ण विराम पर ही जागती है अंदर की चेतना तन को नहीं चैतन्य को सम्हाले मुनि श्री ने कहा धार्मिक अनुष्ठान का भी प्रयोजन होना चाहिए अनुष्ठान करने से पहले मन को सहज और सरल कर परहित के कल्याण का संकल्प लेना चाहिए इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा प्रमोद हिमांशु मनोज आरएम प्रमोद चंदेरी अक्षय जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे अंशुल जैन प्रवक्ता।

संजय गांधी अस्पताल में व्यवस्था सुधारने कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ ने अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

रीवा। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष (स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश) डॉ अमित तिवारी के साथ कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने सोमवार को संजय गांधी अस्पताल पहुंचकर वहां व्याप्त अव्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा जी एवं अधिष्ठाता डॉक्टर इंदुलकर से मुलाकात कर अस्पताल में फैली अनियमितता को दुरस्त कराने हेतु ज्ञापन पत्र सौंपा। इस दौरान जिला अध्यक्ष कांग्रेस स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ दीप नारायण शर्मा जिला उपाध्यक्ष डॉ अमर पटेल ब्लॉक अध्यक्ष डॉ शशांक मणि शर्मा जिला समन्वयक अमित द्विवेदी बृजेंद्र ताम्रकार देवेश द्विवेदी प्रदीप सिंह बघेल सहित स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल को अस्पताल अधीक्षक व डीन ने कहा कि जनता को अच्छी स्वास्थ सुविधा मिले पूरी मॉनिटरिंग लगातार की जा रही है जो थोड़ी कमियां है वह सभी के सहयोग से शीघ्र सुधार कर लिया जाएगा।

छतरपुर नगर पालिका भ्रष्टाचार के शिकंजे में

छतरपुर। नगर पालिका की विभिन्न शाखाओं में लंबे अरसे से भ्रष्टाचार फल फूल रहा है सीएम ओमपाल सिंह भदौरिया अवैध आर्थिक लाभ अर्जित करने के मकसद से नगर पालिका में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के भ्रष्टाचार की शर्मनाक हद तक अनदेखी कर रहे हैं नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया सारे हालातों से वाकिफ है मगर अज्ञात वजह से खामोशी का रुख अख्तियार किए है सीएमओ ओमपाल सिंह भदोरिया के संरक्षण में नगर पालिका में फल फूल रहे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का खामियाजा आगामी विधानसभा चुनाव में छतरपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी को यकीनन भुगतना पड़ेगा छतरपुर नगर पालिका क्षेत्र के वाशिंदे बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं लोगों को नगर पालिका में अपने जायस काम करवाने के लिए घूस देना पड़ती है उल्लेखनीय है कि छतरपुर नगर पालिका के सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया के खिलाफ भ्रष्टाचार का जुर्म दर्ज है मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर से जमानत पर चल रहे हैं नगरपालिका में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर अंकुश ना लगने की वजह से छतरपुर के वाशिंदो में राज्य शासन और प्रशासन के खिलाफ तीव्र असंतोष व्याप्त लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि छतरपुर कलेक्टर संदीप जी आज नगर पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने कारगर कदम क्यों नहीं उठाते हैं।

ओम पाल सिंह भदौरिया
CMO छतरपुर

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार, 12 अप्रैल 2023

मेबेलिन की नई ब्रांड एंबेसडर बनीं सुहाना खान

रेड सूट में लगीं ग्लैमरस, बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही मिला नया प्रोजेक्ट

शाहरुख खान और गौरी खान की बेटी सुहाना खान न्यूयॉर्क के ब्यूटी ब्रांड मेबेलिन की नई ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं। सोमवार को मुंबई में एक इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें सुहाना ने शिरकत की है। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में सुहाना रेड सूट में नजर आईं। उन्होंने मुस्कुराते हुए इवेंट में एंट्री ली। वीडियो में सुहाना काफी खूबसूरत दिख रही हैं। फिल्मों में डेब्यू करने से पहले ही वह इस ब्रांड का नया चेहरा बन गईं। सुहाना ने इवेंट में मीडिया के लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा, ह्यमैं यहां आने और आप लोगों को फिर से देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। शूटिंग करते वक्त काफी मजा आया। इसलिए मैं यहां आकर हमने जो शूट किया वो आप लोगों को दिखाने का और इंतजार नहीं कर सकती। मेबेलिन का ब्रांड एंबेसडर बनना एक सम्मान की बात हैह्व। बता दें, सुहाना इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सुर्खियों में हैं। वह जल्द ही फिल्म डायरेक्टर जोया अख्तर की अगली फिल्म द आर्चीज के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करेंगी। फिल्म में उनके अलावा खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा कपूर और वेदांग रैना भी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

दिल में दर्द समेटकर भी दुनिया को हंसाता है कॉमेडियन- संजय मिश्रा

टीम चल जिंदगी अपनी अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन के लिए जोरों से लगी हुई है। इसी सिलसिले में टीम मंगलवार को इंदौर पहुंची। जहां चल जिंदगी के कलाकार गोल्डन इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों और मीडिया से से मुखातिब भी हुए। कलाकारों ने बच्चों के साथ अपने अनुभव को साझा किया और उनके साथ डिफरेंट एक्टिविटी में भी पार्टिसिपेट किया। चल जिंदगी एक जीवन से जुड़ी फिल्म है। यह इस बारे में है कि कैसे जिंदगी के सफर में लाइफ और इमोशन एक रोड ट्रीप पर हमारी बाइक पर एक साथ होती हैं। फिल्म में प्रसिद्ध अभिनेता संजय मिश्रा, बहुमुखी विवेक दहिया, जो स्टेट ऑफ सीज में अपने अविश्वसनीय काम के लिए जाने जाते हैं, शैनन के एक शानदार एक्ट्रेस-सिंगर और महान गायक कुमार शानू की बेटी भी हैं, इसके अलावा चल जिंदगी में मीता वशिष्ठ, विक्रम सिंह, संदीप शर्मा, और विवान शर्मा का शानदार अभिनय देखने के लिए मिलेगा।

इस अवसर पर अभिनेता संजय मिश्रा ने कहा, ह्यफिल्म को देखने के बाद आप समझ सकेंगे हैं कि मैंने ह्यचल जिंदगीह्व को क्यों चुना। साथ ही, मैं फैंस को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हम सभी ने मिलकर जो मास्टर पीस तैयार किया है उसको दर्शकों को देखने में बहुत आनंद आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि एक एक्टर का काम बहुत जिम्मेदारी भरा होता है। अपने दिल में दर्द छुपाकर भी वह दूसरों को हंसाता है।

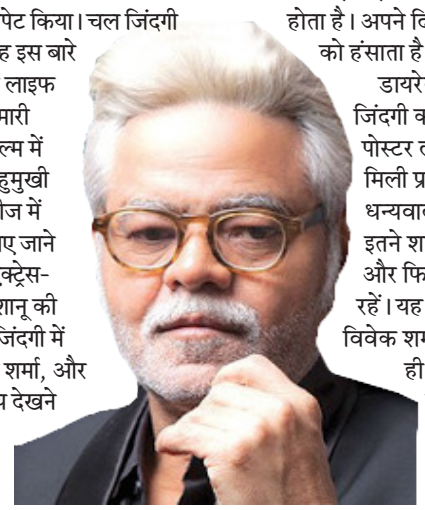

डायरेक्टर विवेक शर्मा ने कहा, चल जिंदगी का यह हमारा पहला टूर है और पोस्टर लांच होने के बाद से उसको मिली प्रतिक्रिया से मैं बहुत खुश हूं। धन्यवाद इंदौर और यहां के लोगों का इतने शानदार स्वागत करने के लिए और फिल्म को सपोर्ट और प्यार करते रहें। यह महत्वाकांक्षी फिल्म डायरेक्टर विवेक शर्मा द्वारा निर्देशित है और जल्द ही रिलीज होने वाली है। चल जिंदगी के पोस्टर में संजय मिश्रा, विवेक दहिया और शैनन के को लेह-लद्दाख की घाटी में देखा जा सकता है।

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने मनीष कश्यप के समर्थन में कह दी बड़ी बात...

तमिलनाडु में बिहारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट के मामले में वीडियो वायरल को लेकर फंसे यूट्यूबर मनीष कश्यप को बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद का साथ मिला है. तमिलनाडु मामले में मनीष कश्यप पर कई मामले दर्ज किए गए हैं. सुप्रीम कोर्ट में भी मनीष कश्यप के वकील की ओर से याचिका लगाई गई है. अब सोनू सूद ने बड़ा बयान दिया है. मंगलवार को बॉलीवुड एक्टर ने ट्वीट किया है.

तमिलनाडु के नाम पर फर्जी वीडियो वायरल हुआ था. दावा किया गया था कि तमिलनाडु में बिहारियों की पिटाई हो रही है और भगाया जा रहा है. इसी से संबंधित एक वीडियो वायरल किया गया था जिसको लेकर पुलिस ने मनीष कश्यप पर प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार किया है. ईओयू जांच कर रही है. मनीष कश्यप के घर बेतिया में एक दूसरे मामले में कुर्की करने के लिए पुलिस पहुंची थी तो उसने सरेंडर कर दिया था. इसके बाद ईओयू ने कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेकर पूछताछ की. इसके बाद तमिलनाडु की पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर लेकर तमिलनाडु चली गई है.

सोनू सूद ने ट्विटर पर लिखा- ह्यजितना भी मैं मनीष कश्यप को जानता हूं उसने हमेशा बिहार के लोगों के भले के लिए ही आवाज उठाई है. हो सकता है उस से कुछ गलती भी हुई हो पर यह बात मैं यकीन से कह सकता हूं कि वो देशहित के लिए ही लड़ा है. न्याय और कानून से ऊपर हमारे देश में कुछ नहीं. जो भी होगा सही ही होगा.ह्व

बता दें कि मनीष कश्यप पर कई जगह अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं. इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है कि सारे केस को क्लब करके बिहार में कर दिया जाए. मनीष कश्यप पर एनएसए भी लगा है. मंगलवार 11 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई होनी थी लेकिन नहीं हो सकी. अब 21 अप्रैल को सुनवाई होगी.

न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने केंद्र, तमिलनाडु और बिहार सरकार को नोटिस जारी किया तथा यूट्यूबर मनीष कश्यप की याचिका पर एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है.

एक्टर केआरके ने रिएक्शन देने पर मजबूर कर दिया

बॉलीवुड में इन दिनों फिल्मों के रीमेक होना आम बात हो गई है. ऐसा हम नहीं बल्कि खुद ही देख लीजिए. चाहे वह गुमराह, जो कि तडम का रीमेक है. तो वहीं किसी का भाई किसी की जान, जो कि साउथ की वीरम का रिमेक है. इस पर एक एक्टर का गुस्सा फूटा है. कमाल आर खान, जो केआरके नाम से मशहूर हैं उन्होंने एक के बाद एक बॉलीवुड में बन रहे रीमेक पर अपना रिएक्शन दिया है, जिस पर लोग बात करते हुए दिख रहे हैं.

केआरके अक्सर अपने बयानों के चलते सुर्खियों में जाते हैं. हाल ही में कपिल शर्मा की ज्विगाटो हो या अजय देवगन की भोला. केआरके के कमेंट सुर्खियों में आ जाते हैं. इसी बीच साउथ की फिल्मों पर बन रहे बॉलीवुड रीमेक पर उन्होंने अपना रिएक्शन दिया है. केआरके ने लिखा, बॉलीवुड वाले केवल कॉपी ही करना जानते हैं, तो अगर एक्टर्स रीमेक करने के लिए राजी नहीं होंगे तो बॉलीवुड कैसे बचेगा? कॉपीवुड वाले इतने समझदार नहीं हैं कि ऑरिजिनल फिल्म बना सकें. ऐसे में बॉलीवुड इस समय बहुत बड़ी प्रॉब्लम में है.

एक्टर के इस ट्वीट पर लोगों ने भी रिएक्शन दिया है. एक यूजर ने लिखा, कॉपीवुड कई दशकों से ऑडियंस को पागल बना रहा है. दूसरे ने लिखा. यही हो रहा है. यही समय है भारतीय सिनेमा को एक होना पड़ेगा. इतना ही नहीं कुछ लोग तो अल्लू अर्जुन के लेटेस्ट पुष्पा द रुल 2 के पोस्टर को भी ट्रोल करते हुए नजर आ रहे हैं.

बता दें, हाल ही में अक्षय कुमार की सेल्फी और कार्तिक आर्यन की शहजादा भी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई थी. जबकि वह साउथ की फिल्मों का रिमेक है. हालांकि सलमान खान स्टारर किसी का भाई किसी की जान देखना होगा कि बॉक्स ऑफिस पर कितना कमाल दिखा पाती है. क्योंकि यह भी साउथ की फिल्म का रीमेक है.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com